International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 8, August - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

सुप्रिया राय
शोधार्थी, शिक्षा संकाय, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल

डॉ. आर. के. रायजादा
सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं अध्यक्ष,
विस्तार शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रस्तुत शोध पत्र में हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श के रूप में होशंगाबाद जिले के हायर सेकेण्डरी स्तर के 400 विद्यार्थियों {शहरी क्षेत्र के 200 विद्यार्थी (100 छात्र व 100 छात्राएं) तथा ग्रामीण क्षेत्र के 200 विद्यार्थी (100 छात्र व 100 छात्राएं)} का चयन साधारण यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा कर उन पर डॉ. एम. सिंह की 'तनाव मापनी' एवं डॉ. वी.पी. भार्गव की 'उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी' का प्रशासन किया गया। प्राप्त परिणामों के अनुसार हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले शहरी/ग्रामीण क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर तनाव स्तर (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले समग्र छात्र/छात्रा/ विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर तनाव स्तर (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

शिक्षा मानव के सफल एवं सुखद जीवन का आधार है। शिक्षा के द्वारा ही विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को विकसित कर उसे सही दिशा की ओर अग्रसर किया जाता है जिससे कि वह भविष्य में बेहतर एवं विकसित कर नागरिक बन सके। सम्पूर्ण प्राणी जगत में स्वयं को श्रेष्ठ बनाने तथा अपने अस्तित्व को बचाये रखने के लिये संघर्ष चलता रहता है। वर्तमान युग प्रतिस्पर्धा का युग है, अतः विद्यार्थियों में यह संघर्ष कुछ अधिक चलता रहता है, क्योंकि उन्हें शारीरिक समस्याओं, सामाजिक समस्याओं के साथ–साथ उन्हें भावनात्मक समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। इसका कारण यह

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 8, August - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

है कि विद्यार्थी जो कि माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् हैं तथा किशोरावस्था में हैं, वह भविष्य में प्रतियोंगी परीक्षाओं में सम्मिलित होकर चिकित्सक, इजीनियर, तकनीशियन, शिक्षक अथवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतू विश्वविद्यालय में प्रवेश चाहते हैं, जिससे उन्हें तनाव का सामना करना पड़ता है। इन प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले छात्रों में असफल होने के डर के कारण तनाव बहुत अधिक बढ़ जाता है। इसके अतिरिक्त अभिभावकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का भी दबाव रहता है। किशोरावस्था समस्यात्मक काल होने के कारण अनेक छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में असफलता का शिकार हो जाते है। जिसके कारण उनके आत्म–विश्वास में कमी, कुसमायोजन, निम्न उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा निम्न शैक्षणिक उपलब्धि देखने को मिलती है तथा अनेक ऐसे उदाहरण है जिनमें छात्र–छात्राओं ने प्रतियोगी परीक्षाओं में असफल होने के कारण आत्महत्या की है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के तनाव को किस प्रकार दूर किया जाये जिससे उनमें उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा हो, जिससे वह उच्च शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्त कर भावी जीवन में सफलता पा सकें, आदि प्रश्नों के उत्तर वर्तमान समय में एक सुव्यवस्थित तरीके से प्राप्त नहीं हो सके हैं। अतः प्रस्तुत शोध इन सभी प्रश्नों का निदान एवं समाधान प्राप्त करने के लिये एक महत्वपूर्ण प्रयास है। शोधार्थी द्वारा सम्पादित किया जाने वाला शोध कार्य इस तथ्य की ओर संकेत करेगा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले किशोरवय अधिगमकर्ताओं के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर कितना और किस प्रकार का प्रभाव पड़ेगा। अतः उपरोक्त सभी बातों को ध्यान में रखते हुए वर्तमान समस्या का चयन शोधकार्य हेतु किया गया है।

प्रस्तुत शोध से संबंधित दोनों चरों, स्वतंत्र चर तनाव एवं आश्रित चर उपलब्धि अभिप्रेरणा से संबंधित पूर्व में भी कुछ शोध कार्य किये गये हैं जैसे – **कौजमा, नद्या एम. एवं कैनेडी, गेरार्ड ए. (2004)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि विद्यार्थियों में तनाव उत्पन्न करने वाले मुख्य कारक परीक्षा एवं रिजल्ट संबंधी तनाव, भविष्य के प्रति चिंता, कैरियर के क्षेत्र का चुनाव, परीक्षा के लिये अध्ययन, सीखने के लिये बहुत अधिक पाठ्यक्रम, दूसरों के सामने बेहतर प्रदर्शन करने की चिंता एवं स्वयं की संतुष्टि के लिये बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव थे। **कौर, जसराज (2015)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि 41 प्रतिशत विद्यार्थियों में निम्न स्तर की उपलब्धि अभिप्रेरणा पाई गयी। विश्वविद्यालयीन विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं अधिगम शैली के रचनात्मक घटक के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध पाया गया। **देवी, आर. सत्या एवं साज, मोहन (2015)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि अधिकांशतः छात्राओं (85.71 प्रतिशत) में तनाव का मुख्य कारण उनकी शैक्षणिक

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 8, August - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

समस्याएँ थी जबकि छात्रों के मामले में यह संख्या अपेक्षाकृत कम (78.04 प्रतिशत) थी। **कुमारी, कल्पना एवं कासिम, एस. एच. (2015)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि लिंग तथा विद्यालय के प्रकार (शासकीय एवं अशासकीय) के आधार पर विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया। **जलाल, परिसा खोजास्तेह; मंसोर, मोईगन सेपाह एवं अरशदी, फरनाज केशावारजी (2016)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि स्नातक स्तर के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं लापरवाही की प्रवृत्ति के मध्य सार्थक ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया। स्नातक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के मध्य उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर पाया गया तथा छात्राओं में उपलब्धि अभिप्रेरणा, छात्रों से बेहतर पाई गयी। **बुसारी, अफुसात ओलानाइक (2016)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षणिक तनाव के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध पाया गया। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की चिंता एवं शैक्षणिक तनाव के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध पाया गया। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के शैक्षणिक तनाव के निर्धारण में सभी स्वतंत्र चरों (संवेगात्मक बुद्धि, आत्मसम्मान, चिंता) की संयुक्त रूप से भूमिका पाई गई। **शेखर, चन्द्र एवं कुमार, राजेन्द्र (2016)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में लिंग भिन्नता पाई गई तथा छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का स्तर, छात्राओं की तुलना में उच्च पाया गया। हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षणिक तनाव में लिंग भिन्नता पाई गई तथा छात्राओं में शैक्षणिक तनाव का स्तर, छात्रों की तुलना में उच्च पाया गया। **प्रिया, के. (2017)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों के शैक्षणिक तनाव में सार्थक अंतर पाया गया तथा बॉयलॉजी संकाय के विद्यार्थियों में शैक्षणिक तनाव का स्तर सर्वाधिक उच्च जबकि कॉमर्स संकाय के विद्यार्थियों में शैक्षणिक तनाव का स्तर सबसे निम्न पाया गया। विभिन्न चारों संकाय के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। **तमिलसेल्वी, बी. एवं देवी, एस. टी. (2017)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि उच्चतर माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

उपरोक्त शोध अध्ययनों की समीक्षा करने पर शोधकर्ता ने यह पाया कि तनाव एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा से संबंधित पूर्व में भी कुछ शोध कार्य किये गये हैं, परंतु उपलब्धि अभिप्रेरणा पर तनाव के प्रभाव से संबंधित कोई भी शोध नहीं किये गये हैं, इसी कारण शोधकर्ता ने उपलब्धि अभिप्रेरणा पर तनाव के प्रभाव से संबंधित शोध कार्य करने का निश्चय किया।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 8, August - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

उद्देश्य :– प्रस्तुत अध्ययन के लिए निम्न उद्देश्य लिए गए हैं –

1. हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले शहरी क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
2. हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले ग्रामीण क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
3. उच्चतर माध्यमिक स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले समग्र छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पना :– प्रस्तुत अध्ययन के लिए निम्न परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया है –

1. हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले शहरी क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।
2. उच्चतर माध्यमिक स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले ग्रामीण क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।
3. उच्चतर माध्यमिक स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले समग्र छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

उपकरण :– प्रस्तुत अध्ययन में निम्न उपकरणों का उपयोग किया गया है –

1. तनाव मापनी – डॉ. एम. सिंह
2. उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी – डॉ. वी.पी. भार्गव

विधि :–

सर्वप्रथम होशंगाबाद जिले में स्थित हायर सेकेण्डरी स्तर के विद्यालयों की कक्षा बारहवीं में अध्ययनरत् एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले 400 विद्यार्थियों {शहरी क्षेत्र के 200 विद्यार्थी (100 छात्र व 100 छात्राएं) तथा ग्रामीण क्षेत्र के 200 विद्यार्थी (100 छात्र व 100 छात्राएं)} का चयन साधारण यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा कर उन पर डॉ. एम. सिंह की 'तनाव मापनी' एवं डॉ. वी. पी. भार्गव की 'उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी' का प्रशासन किया गया एवं प्राप्तांकों के आधार उनका शहरी

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 8, August - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

क्षेत्र व ग्रामीण क्षेत्र, उच्च तनाव स्तर व निम्न तनाव स्तर, छात्र व छात्राओं में वर्गीकरण एवं सारणीयन कर मॉस्टर शीट तैयार की गई। मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रांतिक अनुपात परीक्षण के द्वारा आंकड़ों का विश्लेषण किया गया तथा प्राप्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष निकाले गये।

परिणामों का विश्लेषण :–

परिकल्पना 01 : हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले शहरी क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

तालिका 01

हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले शहरी क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर प्रभाव संबंधी तुलनात्मक परिणाम

समूह	तनाव स्तर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	सार्थकता
छात्र	उच्च	56	19.04	5.96	1.22	0.05 स्तर पर असार्थक
	निम्न	44	20.39	5.09		
छात्राएं	उच्च	66	21.26	5.52	1.51	0.05 स्तर पर असार्थक
	निम्न	34	19.74	4.35		
विद्यार्थी	उच्च	122	20.14	5.83	0.09	0.05 स्तर पर असार्थक
	निम्न	78	20.07	4.79		

स्वतंत्रता के अंश – 98, 198 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 1.98, 1.97

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले शहरी क्षेत्र के उच्च तथा निम्न तनाव स्तर वाले छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं है, क्योंकि इनके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 1.22, 1.51, 0.09 स्वतंत्रता के अंश 98, 98, 198 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.98, 1.98, 1.97 की अपेक्षाकृत कम हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 8, August - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

अतः उपरोक्त परिणामों के आधार पर निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले शहरी क्षेत्र के उच्च तथा निम्न तनाव स्तर वाले छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं पाया गया, अर्थात् शहरी क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर तनाव स्तर (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

परिकल्पना 02 : हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले ग्रामीण क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

तालिका 02

हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले ग्रामीण क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर प्रभाव संबंधी तुलनात्मक परिणाम

समूह	तनाव स्तर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	सार्थकता
छात्र	उच्च	45	18.44	4.10	0.69	0.05 स्तर पर असार्थक
	निम्न	55	19.00	3.95		
छात्राएं	उच्च	58	19.14	5.33	0.49	0.05 स्तर पर असार्थक
	निम्न	42	19.64	4.85		
विद्यार्थी	उच्च	103	18.79	4.84	0.81	0.05 स्तर पर असार्थक
	निम्न	97	19.32	4.37		

स्वतंत्रता के अंश – 98, 198 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 1.98, 1.97

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले ग्रामीण क्षेत्र के उच्च तथा निम्न तनाव स्तर वाले छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं है, क्योंकि इनके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 0.69, 0.49, 0.81 स्वतंत्रता के अंश 98, 98, 198 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.98, 1.98, 1.97 की अपेक्षाकृत कम हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 8, August - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

अतः उपरोक्त परिणामों के आधार पर निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले ग्रामीण क्षेत्र के उच्च तथा निम्न तनाव स्तर वाले छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं पाया गया, अर्थात् ग्रामीण क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर तनाव स्तर (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

परिकल्पना 03 : हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले समग्र छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

तालिका 03

हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले समग्र छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों के तनाव का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर प्रभाव संबंधी तुलनात्मक परिणाम

समूह	तनाव स्तर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	सार्थकता
छात्र	उच्च	101	18.77	5.22	1.22	0.05 स्तर पर असार्थक
	निम्न	99	19.62	4.54		
छात्राएं	उच्च	124	20.27	5.53	0.80	0.05 स्तर पर असार्थक
	निम्न	76	19.68	4.64		
विद्यार्थी	उच्च	225	19.53	5.45	0.23	0.05 स्तर पर असार्थक
	निम्न	175	19.65	4.58		

स्वतंत्रता के अंश – 198, 398 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 1.97

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले उच्च तथा निम्न तनाव स्तर वाले समग्र छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं है, क्योंकि इनके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 1.22, 0.80, 0.23 स्वतंत्रता के अंश 198, 198, 398 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.97 की अपेक्षाकृत कम हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 8, August - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

अतः उपरोक्त परिणामों के आधार पर निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले उच्च तथा निम्न तनाव स्तर वाले समग्र छात्र/ छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं पाया गया, अर्थात् समग्र छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर तनाव स्तर (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

निष्कर्ष :–

1. हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले शहरी क्षेत्र के उच्च तथा निम्न तनाव स्तर वाले छात्र/ छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं पाया गया, अर्थात् शहरी क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर तनाव स्तर (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

2. हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले ग्रामीण क्षेत्र के उच्च तथा निम्न तनाव स्तर वाले छात्र/ छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं पाया गया, अर्थात् ग्रामीण क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर तनाव स्तर (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

3. हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले उच्च तथा निम्न तनाव स्तर वाले समग्र छात्र/ छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं पाया गया, अर्थात् समग्र छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर तनाव स्तर (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

// संदर्भ ग्रंथ सूची //

1. श्रीवास्तव, डी.एन., (नवीन संस्करण) ''सांख्यिकी एवं मापन'', विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा
2. सिंह, अरूण कुमार (2005) ''शिक्षा मनोविज्ञान'', भारती भवन पब्लिशर्स, पटना
3. वालिया, जे.एस. (2005) ''शिक्षा मनोविज्ञान की बुनियादें'', पाल पब्लिशर्स, जालंधर
4. **Busari, Afusat Olanike (2016)** Relationship between Emotional Intelligence, Self-Esteem, Anxiety and Academic Stress of the Gifted Children in Oyo State, Nigeria, Global Journal of Human – Social Science : A Arts and Humanities – Psychology, Volume 16, Issue 5, Version 1.0, 2016, Pg. No. 23 – 34

5. **Devi, R. Sathya and Shaj, Mohan (2015)** "A Study on Stress and its Effects on College Students", *International Journal of Scientific Engineering and Applied Science (IJSEAS), Volume 1, Issue 7, October 2015, Pg. No. 449 – 456*
6. **Jalal, Parisa Khojasteh; Mansor, Moigan Sepah and Arshadi, Farnaz Keshavarzi (2016)** The Relationship between Self-Efficacy, Achievement Motivation and Negligence in Students, *International Journal of Humanities and Cultural Studies, Special Issue April 2016, Pg. No. 1788 -1799*
7. **Kaur, Jasraj (2015)** A study of achievement motivation of university students in relation to their learning styles, *International Journal of Humanities and Social Science Research, Vol. 1, Issue 1, November 2015, Pg. No. 52 -54*
8. **Kouzma, Nadya M. and Kennedy, Gerard A (2004)** Self-Reported Sources of Stress in Senior High School Students, *Psychological Reports, 2004, Volume 94, Pg. No. 314 – 316*
9. **Kumari, Kalpana and Qasim, S. H. (2015)** A Study of Achievement Motivation in Relation to Academic Achievement of Higher Secondary Students, *Research Gate Indo-Indian Journal of Social Science Researches, Vol.11, No.1, April 2015, Pg. No. 56 -59*
10. **Priya, K. (2017)** Academic Stress, Achievement Motivation and Self-Concept Relation to Educational Choice, *International Journal of Technical Research & Science, Volume 2, Issue IX, September 2017, Pg. No. 525 – 528*
11. **Sekhar, Chandra and Kumar, Rajendra (2016)** Gender Difference in Achievement Motivation, Self-efficacy, Academic Stress and Academic Achievement of Secondary School Students, *International Journal of Applied Social Science, Volume 3 (5 and 6), May and June 2016, Pg. No. 117 – 124*
12. **Tamilselvi, B. and Devi, S.T. (2017)** A study on Achievement Motivation of higher secondary students in Coimbatore District, *International Journal of Advance Education and Research, Vol. 2, Issue 3, May 2017, Pg. No. 81 -84*